HSNC University Mumbai

Ordinances and Regulations

With Respect to

Choice Based Credit System

(CBCS)

For the Programmes Under

The Faculty of Humanities

For the Course under the **New Education Policy (NEP)**

Bachelor of Arts (B. A.)

Curriculum – Second Year Undergraduate Programmes

Semester- III and Semester -IV

(With effect from the academic year 2024-2025)

HSNC University Mumbai

(2024-2025)

Faculty of Humanities

Bachelor of Arts

BOS of HINDI

1. **Dr. Shitla Prasad Dubey, Adviser**
2. **Dr. Ajeet Kumar Rai, Chairperson**
3. **Dr. Sudhir Kumar Chaubey, Co-Chairperson**
4. **Dr. Mithilesh Sharma, Associate Professor**
5. **Dr. Sanjay Singh, External experts from Industry**
6. **Mr. Navendu Bajpai, External experts from Industry**
7. **Mr. Salim Khan, External experts from Industry**
8. **Miss. Pallavi Jaiswal, Member**
9. **Miss Shweta Mishra, Member**

एचएसएनसी विश्वविद्यालय

एचएसएनसी विश्वविद्यालय की शुरूआत वर्ष 2020 में हुई। यह एक विश्वविद्यालय है, जिसे यूजीसी, महाराष्ट्र सरकार तथा रूसा द्वारा मान्यता प्राप्त है। एचएसएनसी विश्वविद्यालय से संबद्ध किशिनचंद चेलाराम (के.सी.) कॉलेज की शुरुआत 1954 में, हस्साराम रिजुमल (एच.आर.) कॉलेज आॅफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स की शुरुआत 1960 में तथा बांबे टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (बीटीटीसी) की शुरुआत 1969 में हुई थी। विश्वविद्यालय से संबद्ध तीनों महाविद्यालय अत्यंत प्रतिष्ठित महाविद्यालय हैं तथा जिनका अपना एक गौरवशाली इतिहास है। एचएसएनसी विश्वविद्यालय से संबद्ध तीनों महाविद्यालय पूर्व काल में मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध थे। सभी कॉलेज एवं वर्तमान एचएसएनसी विश्वविद्यालय को हैदराबाद (सिंध) नेशनल कॉलेजिएट बोर्ड द्वारा सं चालित किया जाता है। सन 1922 में स्थापित यह बोर्ड अपने शैक्षणिक संस्थानों एवं शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित है।

के.सी. महाविद्यालय :-

के.सी. महाविद्यालय का श्रीगणेश स्व. विद्यासागर के. एम. कुंदनानी ने 1954 में किया था। मुंबई के इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय में कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय की कक्षाओं के साथ ही कंप्यूटर साइंस, बायोटेक, आई.टी., बी.एम.एस., बी.बी.आई., बी.एफ.ए. एवं बी.एम.एम. की स्नातक स्तर पर शिक्षा प्रदान की जाती है। हिन्दी, कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म तथा रसायन शास्त्र के स्नातकोत्तर विद्यार्थी मुंबई विश्वविद्यालय में अपनी अलग पहचान रखते हैं। हिन्दी, रसायन शास्त्र एवं जीव विज्ञान में अनुसंधान (पी-एच.डी.) की भी व्यवस्था यहां उपलब्ध है। महाविद्यालय को 'नैक' द्वारा तीन बार लगातार 'ए' ग्रेड एवं यूजीसी द्वारा स्टार कॉलेज का दर्जा प्राप्त हुआ है, जो शिक्षा के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

हिन्दी-विभाग :-

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिन्दी-विभाग की भी शुरूआत हुई थी। डॉ. सी.एल. प्रभात, डॉ. शिव सहाय पाठक, डॉ. विनोद गोदरे, डॉ. प्रेम शंकर शुक्ल और डॉ. मंजुला देसाई जैसे विद्वान शिक्षकों ने विभाग को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाया। निवर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे अकादमिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित होने के साथ ही महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष, एचएसएनसी विश्वविद्यालय हिन्दी अध्ययन मंडल के पूर्व अध्यक्ष, मुंबई विश्वविद्यालय हिन्दी अध्ययन मंडल के अध्यक्ष तथा सीनेट, एकेडमिक कॉउंसिल, कला संकाय, बी.यू.टी.आर. एवं अनुसंधान समिति जैसी अनेक समितियों के सदस्य के रूप में सेवाएं दी हैं। वहीं वर्तमान अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार राय, एचएसएनसी विश्वविद्यालय हिन्दी अध्ययन मंडल के अध्यक्ष, शोध निर्देशक एवं हिन्दी पत्रकारिता जगत में भी जाना माना नाम हैं। विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध (पी-एच.डी.) स्तर तक की शिक्षा की व्यवस्था है। विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के साथ ही विभाग के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

एचएसएनसी विश्वविद्यालय
हिन्दी-विभाग, के.सी. महाविद्यालय

1. पाठ्यक्रम के संबंध में :

हिन्दी का पाठ्यक्रम बनाने के लिये यूजीसी के दिशानिर्देश तथा मापदंडों को ध्यान में रखते हुये आठ सदस्यों की एक समिति बनाई गई। इस समिति में हिन्दी भाषा तथा साहित्य से संबंधित उन सभी क्षेत्रों के सदस्यों का समावेश किया गया, जहाँ हिंदी के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। यह पाठ्यक्रम अपेक्षाकृत वैज्ञानिक और रोजगार परक है। इसमें भाषा, साहित्य और मौलिक लेखन को केन्द्र में रखा गया है।

पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के हित में एवं विषय की मौलिकता को बनाए रखते हुए उसे रोजगारपरक बनाने के लिए कुछ परिवर्तन किये गये। जो निम्नवत हैं-

1. नवीन पाठ्यक्रम में सैधान्तिक ज्ञान देने के साथ- साथ विषय के प्रायोगिक ज्ञान देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

2. साहित्य के अध्ययन को यथावत रखते हुये, रोजगारपरक विषयों को समाहित किया गया है। ताकि विद्यार्थियों को साहित्य का ज्ञान और रोजगार का मार्ग दोनों मिल सके।

3. रोजगार परक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए हिन्दी के विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले क्षेत्रों को बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के साथ कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने वाला पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

4. र्वतमान समय में कम्प्यूटर की उपयोगिता को देखते हुए कम्प्यूटर केन्द्रित एवं प्रशिक्षण परक पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

5. पाठ्यक्रम में कम्प्यूटर, हिन्दी एवं रोजगार के अवसर के समन्वय पर विशेष ध्यान दिया गया है।

2. पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्र प्रारूप (पेपर पैटर्न) के सम्बंध में :

- पाठ्यक्रम 60-40 के प्रारूप का किया गया है।
- पाठ्यक्रम में 60 अंक सैद्धांतिक तथा 40 अंक प्रायोगिक अध्ययन के लिए निर्धारित किए गए हैं।

The Scheme of Teaching and Examination

SEMESTER III

Couse Code	Course Title	Major /Minor	No. of Credits	No of Hours	Assessment Model		
					Formative	Summative	Total
HIN201A	Medieval and Modern Hindi Poetry (मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य)	Major I	4	60	40	60	100
HIN202A	Functional Hindi (प्रयोजनमूलक हिन्दी)	Major II	4	60	40	60	100
HIN205A	Bhaktikaleen and modern poetry (भक्तिकालीन एवं आधुनिक काव्य)	Minor	4	60	40	60	100
HIN201B	GE I: General Hindi and Natak (सामान्य हिन्दी एवं नाटक)	General Elective	3	45	25	50	75

SEMESTER IV

Couse Code	Course Title	Major /Minor	No. of Credits	No of Hours	Assessment Model		
					Formative	Summative	Total
HIN203A	Modern Hindi Prose (आधुनिक हिन्दी गद्य)	Major I	4	60	40	60	100
HIN204A	Computer and Hindi Language (कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा)	Major II	4	60	40	60	100
HIN206A	Hindi Novels and Dramas (हिन्दी उपन्यास एवं नाटक)	Minor	4	60	40	60	100
HIN202B	General Hindi and Prose (सामान्य हिन्दी एवं गद्य साहित्य)	General Elective	3	45	25	50	75

A. Syllabus for SYBA Major- 1

SEMESTER III

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN201A	Medieval and Modern Hindi Poetry (मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य)	4	60

Units	Modules	No. of Lectures
1	**पाठ्यपुस्तक हेतु निर्धारित पुस्तक : मध्ययुगीन और आधुनिक काव्य संकलन** **सम्पादक का नाम: हिंदी अध्ययन मंडल, एच. एस. एन.सी. विश्वविद्यालय** **संकलन में निर्धारित कविताएँ और उनके कवि** **मध्यकालीन काव्य :** **(क) कबीर के दोहे** 1. गुरू गोबिन्द दोउ खड़े, काकै लागूं पाय। 2. भली भई जो गुर मिले, नहिंतर होती हानि। 3. लूटि सकै तो लूटियौ, राम नाम है लूट। 4. चकई बिछुरी रैनि की, आई मिलै परभाति। 5. कस्तुरी कुण्डली बसै, मृग ढूंढें बन माँहि। 6. माटी कहे कुम्हार से, तु क्या रौंदे मोय। **(ख) सूरदास के पद** 1. मैया मैं नहिं माखन खायो। 2. आये जोग सिखावन पांडे। 3. हरि सो मीत न देखौं कोई। 4. जैसे तुम गज कौ पाउं छुड़ायौ। **(ग) तुलसीदास के पद** 1. भाई! हौं अवध कहा रहि लैहों। 2. जय सगुन निर्गुण रूप रूप अनूप भूप सिरोमने। 3. तू दयालू दीन हौं तू दानि हौं भिखारी। 4. जाऊँ कहाँ तजि चरण तुम्हारे।	25
2	**आधुनिक काव्य** 1. रामदरश मिश्र : पुस्तकें 2. गोपालदास सक्सेना 'नीरज' : जीवन नहीं मरा करता है। 3. कुंवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या 4. बालकवि बैरागी : अपनी गंध नहीं बेचूँगा 5. केदारनाथ सिंह : ईश्वर को एक भारतीय नागरिक के कुछ सुझाव 6. चंद्रकांत देवताले : मां पर नहीं लिख सकता कविता 7. मंगलेश डबराल : घर	20
3	**स्वयंप्रभा (खंडकाव्य) :** रमाकांत शर्मा 'उद्भ्रांत'- प्रकाशक- अमन प्रकाशन, कानपुर	15

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

1. तीनों पुस्तकों में से दिए गए अवतरणों में से किन्ही दो की संदर्भ सहित व्याख्या	16
2. तीनों पुस्तकों में से दिए गए गए प्रश्नों में किन्ही दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों का उत्तर	24
3. तीनों पुस्तकों से दी गईं टिप्पणियाँ में से किन्ही दो का उत्तर	10
4. तीनों पुस्तकों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10

आंतरिक परीक्षा :

1. कक्ष परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न, एक वाक्य में उत्तर, टिप्पणी)	15
2. प्रकल्प एवं प्रस्तुतीकरण (एकल या सामूहिक)	10
3. स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (Self-Learning Evaluation)	10
4. कक्षा में उपस्थिति, शिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार तथा जिम्मेदार विद्यार्थी के रूप में समग्र आचरण	05

SEMESTER IV

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN203A	Modern Hindi Prose (आधुनिक हिन्दी गद्य)	4	60

Units	Modules	No. of Lectures
1	**पाठ्यपुस्तक हेतु निर्धारित पुस्तक :** **शकुन्तिका (उपन्यास)** : लेखक - भगवानदास मोरवाल प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	30
2	**जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ (नाटक)** : लेखक - असगर वसाहत, प्रकाशक- दिनमान प्रकाशन, नई दिल्ली बाद में वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	30

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

1. दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या 16
2. दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित दो दीर्घोत्तरी प्रश्न 24
3. दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित दो टिप्पणियाँ 10
4. दोनों पुस्तकों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10

आंतरिक परीक्षा :

1. कक्ष परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न, एक वाक्य में उत्तर, टिप्पणी) 15
2. प्रकल्प एवं प्रस्तुतीकरण (एकल या सामूहिक) 10
3. स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (Self-Learning Evaluation) 10
4. कक्षा में उपस्थिति, शिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार तथा जिम्मेदार विद्यार्थी के रूप में समग्र आचरण 05

A. Syllabus for SYBA Major - 2

SEMESTER III

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN202A	**Functional Hindi (प्रयोजनमूलक हिन्दी)**	4	60

Units	Modules	No. of Lectures
1	➢ सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी ➢ प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	20
2	➢ अनुवाद : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं महत्व ➢ अनुवाद के भेद : शब्दानुवाद, भावानुवाद, आशु अनुवाद	20
3	➢ विज्ञापन : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं विशेषतायें ➢ पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं महत्व	20

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

1. विकल्प सहित दो दीर्घोत्तरी प्रश्न 30
2. विकल्प सहित तीन टिप्पणियाँ 15
3. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न 15

आंतरिक परीक्षा :

1. कक्ष परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न, एक वाक्य में उत्तर, टिप्पणी) 15
2. प्रकल्प एवं प्रस्तुतीकरण (एकल या सामूहिक) 10
3. स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (Self-Learning Evaluation) 10
4. कक्षा में उपस्थिति, शिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार तथा जिम्मेदार विद्यार्थी के रूप में समग्र आचरण 05

SEMESTER IV

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN204A	Computer and Hindi Language (कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा)	4	60

Units	Modules	No. of Lectures
1	➢ कम्प्यूटर : प्रयोग एवं उपयोगिता ➢ हिंदी कम्प्यूटिंग : देवनागरी लिपि एवं कम्प्यूटर	20
2	➢ राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा ➢ राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका	20
3	➢ हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकीः हिन्दी की प्रमुख वेबसाइट्स, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेस (ए.ज्.आई.) ➢ हिन्दी भाषा के कम्प्यूटर के विविध पक्ष : इंटरनेट पर हिन्दी के प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाएं, न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा	20

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

1. विकल्प सहित दो दीर्घोत्तरी प्रश्न 30
2. विकल्प सहित तीन टिप्पणियाँ 15
3. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न 15

आंतरिक परीक्षा :

1. कक्ष परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न, एक वाक्य में उत्तर, टिप्पणी) 15
2. प्रकल्प एवं प्रस्तुतीकरण (एकल या सामूहिक) 10
3. स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (Self-Learning Evaluation) 10
4. कक्षा में उपस्थिति, शिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार तथा जिम्मेदार विद्यार्थी के रूप में समग्र आचरण 05

A. Syllabus for SYBA Minor

SEMESTER III

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN205A	Bhaktikaleen and modern poetry (भक्तिकालीन एवं आधुनिक काव्य)	4	60

Units	Modules	No. of Lectures
1	**पाठ्यपुस्तक हेतु निर्धारित पुस्तक : मध्ययुगीन और आधुनिक काव्य संकलन** **सम्पादक का नाम: हिंदी अध्ययन मंडल, एच. एस. एन.सी. विश्वविद्यालय** **भक्तिकालीन काव्य** **(क) मीराबाई के पद** 1. पायो जी मैने राम रतन धन पायो। 2. मेरे तो गिरधर गोपाल, दुसरो न कोई 3. पग घुँघरू बाँध मीरा नाची रे। 4. स्याम म्हाने चाकर राखो जी। **(ख) रहीम के दोहे** 1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग। 2. वृक्ष कबहूँ नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर। 3. रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय। 4. रहिमन विपदा हूँ भली, जो थोरे दिन होय। 5. बिगरी बात बने नहीं, लाख करो किन कोय। 6. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि। 7. दुःख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय। 8. रूठे सुजन मनाइए, जो रूठे सौ बार।	25
2	**आधुनिक काव्य** 1. स्नेह निर्झर बह गया है : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 2. गाली : सुशीला टाकभौरे 3. पुत्रमोह : निर्मला गर्ग 4. वृद्धाएं : डॉ. अनामिका 5. वृद्धाश्रम से ख़त : डॉ. ईश्वर सिंह तेवतिया	25
3	**मधुशाला के 8 पद –** (**पद संख्या** - 1, 33, 46, 50, 53, 57, 82, 83) – **डॉ. हरिवंश राय बच्चन**	10

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

1. तीनों पुस्तकों में से दिए गए अवतरणों में से किन्ही दो की संदर्भ सहित व्याख्या	16
2. तीनों पुस्तकों में से दिए गए गए प्रश्नों में किन्ही दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों का उत्तर	24
3. तीनों पुस्तकों से दी गईं टिप्पणियाँ में से किन्ही दो का उत्तर	10
4. तीनों पुस्तकों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10

आंतरिक परीक्षा :

1. कक्ष परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न, एक वाक्य में उत्तर, टिप्पणी)	15
2. प्रकल्प एवं प्रस्तुतीकरण (एकल या सामूहिक)	10
3. स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (Self-Learning Evaluation)	10
4. कक्षा में उपस्थिति, शिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार तथा जिम्मेदार विद्यार्थी के रूप में समग्र आचरण	05

SEMESTER IV

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN206A	Hindi Novels and Dramas (हिन्दी उपन्यास एवं नाटक)	4	60

Units	Modules	No. of Lectures
1	**पाठ्यपुस्तक हेतु निर्धारित पुस्तक :** **जंगलतंत्रम (उपन्यास)** : लेखक - श्रवण कुमार गोस्वामी प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	30
2	**कथा एक कंस की (नाटक)** : लेखक – दयाप्रकाश सिन्हा प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	30

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

1. दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या 16
2. दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित दो दीर्घोत्तरी प्रश्न 24
3. दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित दो टिप्पणियाँ 10
4. दोनों पुस्तकों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10

आंतरिक परीक्षा :

1. कक्ष परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रश्न, एक वाक्य में उत्तर, टिप्पणी) 15
2. प्रकल्प एवं प्रस्तुतीकरण (एकल या सामूहिक) 10
3. स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (Self-Learning Evaluation) 10
4. कक्षा में उपस्थिति, शिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता, अकादमिक गतिविधियों के संचालन में नेतृत्व कुशलता, शिष्टाचार तथा जिम्मेदार विद्यार्थी के रूप में समग्र आचरण 05

Syllabus for B.Sc./B. Com General elective/Multi-disciplinary (GE)

Semester III

Syllabus Information:

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN201B	General Hindi and Natak (सामान्य हिन्दी एवं नाटक)	3	45

Units	Modules	No. of Lectures
1	**खंड क :** हिन्दी नाटक और उसकी विकास यात्रा **खंड ख :** नाटक कथा एक कंस की : श्री दयाप्रकाश सिन्हा	45

Semester IV

Syllabus Information:

Sr. No	Course Code	Title	Credits	Lectures
1	HIN202B	General Hindi and Prose (सामान्य हिन्दी एवं गद्य साहित्य)	3	45

Units	Modules	No. of Lectures
1	**खंड क :** हिन्दी गद्य के विविध रूप और उसकी विकास यात्रा **खंड ख :** वीर अब्दुल हमीद (जीवनी) : राही मसूम रजा गिल्लू (रिपोर्ताज) : महादेवी वर्मा बात (निबंध) : प्रताप नरायण मिश्र	45

मूल्यांकन एवं प्रश्नपत्र का प्रारूप

सत्र III एवं IV के लिए

आतंरिक परीक्षा : 25 अंक
सत्रांत परीक्षा : 50 अंक

	आतंरिक परीक्षा	**अंक -25**
1	स्वयं प्रज्ञता परीक्षण (SLE) एवं प्रकल्प अथवा कक्ष परीक्षण	20
2	कक्षा में सहभागिता एवं नेतृत्व कुशलता	05

	सत्रांत परीक्षा	**अंक -50**
1	दिए गए अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या	10
2	दिए गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों का उत्तर	20 (10x2)
3	दिए गए लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर	15 (5x3)
4	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	05 (1x5)